

## ‘मध्य प्रदेश सुशासन एवं विकास रपिर्ट-2022’

### चर्चा में क्यों?

4 अप्रैल, 2022 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंडिया हैबटिट सेंटर, नई दिल्ली में ‘मध्य प्रदेश सुशासन एवं विकास रपिर्ट-2022’ के पहले संस्करण का वमिोचन किया।

### प्रमुख बदि

- मध्य प्रदेश सुशासन और विकास रपिर्ट-2022 अपनी तरह का पहला दस्तावेज है, जो मध्य प्रदेश की अनूठी शासन प्रथाओं को सामने लाता है, जिसमें सामुदायिक जुड़ाव और भागीदारी, मज़बूत नीतगित उपाय, कुशल वतिरण प्रणाली, साक्ष्य-आधारित नरिणय लेने और व्यापक नगिरानी शामिल हैं।
- मध्य प्रदेश सरकार के स्वायत्त नकिया, अटल बहिराी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (AIGGPA) भोपाल द्वारा इस रपिर्ट को तैयार किया गया है।
- रपिर्ट में प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई कई अहम पहल, जनिमेंस्कूल ऑफ गुड गवरनेंस एंड पॉलिसी एनालिसिस, मध्य प्रदेश लोक सेवा गारंटी अधनियम, 2010, आत्मनरिभर मध्य प्रदेश रोड मैप, समाधान ऑनलाइन, सीएम हेल्पलाइन आर्द की स्थापना शामिल हैं।
- ‘मध्य प्रदेश सुशासन और विकास रपिर्ट-2022’ (MPSDR) में कुल 12 अध्याय हैं, जनिहें पाँच पार्ट में बाँटा गया है।
- इसके पहले खंड में दो अध्याय सुशासन पर हैं, जनिमें 15 साल के दौरान प्रदेश में सुशासन की वशिषिटताओं का ज़क़िर किया गया है।
- दूसरे खंड में कोरोना काल और उसके असर का ज़क़िर है। साथ ही महामारी के प्रबंधन और इससे हुए बदलाव व विकास की चर्चा भी की गई है।
- रपिर्ट के तीसरे खंड के पहले अध्याय में बताया गया है किराज्य कृषक़्षेत्र में देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा अग्रणी रहा है। प्रदेश खाद्यान्न का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक, बागवानी फसलों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक तथा पोषक-अनाज में पाँचवा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- तीसरे अध्याय में ही उद्योग और व्यापार का ज़क़िर एवं विश्लेषण किया गया है। आदवासी क़्षेत्रों में वशिष फोकस के साथ वतितीय समावेशन पर ज़ोर दिया गया है।
- पाँचवा अध्याय जैव वविधिता और पारंपरिक ज्ञान के दोहन पर है। ये जैव वविधिता की भूमिका और पारस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के महत्त्व पर चर्चा करता है।
- 6वें अध्याय में आयुष क़्षेत्र तथा 7वें अध्याय में शहरी विकास की चर्चा है।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम में बताया कि
  - प्रदेश की विकास दर (19.7 प्रतिशत) देश में सर्वाधिक है। देश की अर्थव्यवस्था में मध्य प्रदेश 4.6 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सकल घरेलू उत्पाद में बीते दशक में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
  - बजिली का उत्पादन 5 हजार मेगावाट से बढ़ाकर 21 हजार मेगावाट तक पहुँचाया गया।
  - कई बार कृषक़्मण अवार्ड प्राप्त करने वाले मध्य प्रदेश ने पंजाब और हरियाणा को गेहूँ उपाज्जन में पीछे छोड़ दिया है।
  - प्रदेश में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसलि भी बनाई गई है। मध्य प्रदेश में सचिाई योजनाओं से लाभान्वति सचिाई रकबा 43 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है।
  - मध्य प्रदेश पहला राज्य है, जसिने पब्लिक सर्विस गारंटी कानून बनाया। समय पर सेवाएँ न देने वाले लोग दंडित किये जाते हैं।